



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i).

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 20] नई दिल्ली, बुधवार जनवरी 29, 1975 माघ 9, 1896
No. 20] NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 29, 1975/MAGHA 9, 1896

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF COMMERCE

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th January 1975

G.S.R. 21(E).—The following draft of certain rules further to amend the Tea Rules, 1954, which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by section 49 read with Sub-section (3) of section 4 of the Tea Act, 1953 (29 of 1953), is hereby published, as required by sub-section (1) of section 49 of the said Act for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft amendment rules will be taken into consideration on or after the expiry of a period of thirty days from the date of the Official Gazette containing this notification is made available to the public.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the period so specified will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. These rules may be called the Tea (Amendment) Rules, 1975.
2. In the Tea Rules, 1954, in sub-rule (1) of rule 4,—
 - (i) for clauses (c), (d) and (e) the following shall respectively be substituted, namely:—

“(c) eight persons representing owners of tea estates and gardens and growers of tea;

(d) five persons representing persons employed on tea estates and gardens;

(e) two persons representing dealers including both exporters and internal traders of tea;”.
 - (ii) for clause (h), the following shall be substituted, namely:—

“(h) two persons representing other interests.”

[No. E. 12012(1)/74-Plant(A)]

R. TIRUMALAI, Addl. Secy.

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 जनवरी, 1975

सा. का. नि. 21(अ).—चाय नियम, 1954 में और संशोधन करने के लिये कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्राह्य जिसे केन्द्रीय सरकार, चाय अधिनियम, 1953 (1953 का 29) की धारा 4 की उप-धारा (3) के साथ पठित, धारा 49 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाने की प्रस्थापना करती है, उक्त अधिनियम की धारा 49 की उप-धारा (1) द्वारा यथावैधित, उन सभी व्यक्तियों को जानकारी के लिये, जिनका उससे प्रभावित होना संभव है; प्रकाशित किया जाता है और सूचना दी जाती है कि उक्त संशोधन-नियमों के प्राह्य पर, इन अधिसूचना की अन्तर्विष्ट करने वाले राजपत्र के जन्म के लिए उपलब्ध कराये जाने की तारीख से तीन दिन की अवधि के अवधान पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

ऐसे किन्हीं आक्षेपों अथवा सूत्रावों पर, जो इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि के पूर्व उक्त प्राह्य के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति से प्राप्त हों, केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

नियमों का प्राह्य

1. इन नियमों का नाम चाय (संशोधन) नियम, 1975 है।
2. चाय नियम, 1954 में, नियम 4 के उप-नियम (1) में—
 - (i) खण्ड (ग), (घ) तथा (ङ) के स्थान पर क्रमशः निम्नलिखित रखा जाएगा; अर्थात्

“(ग) चाय एस्टेट तथा बागानों के स्वामियों और चाय उगाने वालों का प्रतिनिधित्व करने वाले आठ व्यक्ति ;

(घ) चाय एस्टेट तथा बागानों में नियोजित व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व करने वाले पांच व्यक्ति ;

(ङ) व्यापारियों का, जिनमें चाय के निर्यातक तथा आन्तरिक व्यापारी, दोनों ही सम्मिलित हैं, प्रतिनिधित्व करने वाले दो व्यक्ति ;”।
 - (ii) खण्ड (ज) के स्थान पर, निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(ज) अन्य हितों का प्रतिनिधित्व करने वाले दो व्यक्ति।”

[सं. ई. 12012(1)/74—प्लॉट (ए)]

आर. ठिक्कलै, अपर सचिव।